समाचार

स्वच्छ सर्वेक्षण 2020

एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

(04 जनवरी से 31 जनवरी के मध्य होगा शहर का स्वच्छ सर्वेक्षण, सूडा से आए विशेषज्ञों ने दी सर्वेक्षण के विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी)

कोरबा 27 मई 2019 –स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के संबंध में आज निगम के पंचवटी विश्रामगृह में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयुक्त श्री एस. के. दुबे एवं अपर आयुक्त श्री अशोक शर्मा की विशेष उपस्थिति में सूडा से आए विषय विशेषज्ञ श्री महर्षि उपाध्याय एवं फैज अहमद ने स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी निगम के अधिकारियों को उपलब्ध कराई।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 04 जनवरी से 31 जनवरी 2020 के मध्य देश के समस्त शहरों के साथ–साथ कोरबा शहर में स्वच्छ सर्वेक्षण का कार्य शासन द्वारा कराया जाना हैं, इस सर्वेक्षण को स्वच्छ सर्वेक्षण लीग–2020 नाम दिया गया है। आज निगम के पंचवटी विश्रामगृह में तत्संबंध में निगम के अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ रायपुर से आए प्रोजेक्ट एवं एम.आई.एस. विशेषज्ञों ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 की गाईड लाईन एवं सर्वेक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी कार्यशाला में प्रस्तुत की। इस दौरान डोर–टू–डोर अपशिष्ट संग्रहण, गीले कचरे खाद बनाने, आवासीय क्षेत्रों में एक बार व व्यवसायिक क्षेत्रों में दो बार स्वीपिंग, गीले व सूखे कचरे का पृथकीकरण, होम कम्पोस्टिंग, एस.एल.आर.एम. सेंटरों का संचालन एवं वहां की गतिविधियां, सूखे कचरे की प्रोसेसिंग, प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, पुनः उपयोग, रिसाईकिलिंग आदि, सी.एण्ड डी. वेस्ट, नगर के वल्क जनरेटर्स, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, यूजर चार्जेज, स्वच्छता एप का उपयोग, सीवरेज व सेप्टिक मेनेजमेंट, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय, शहर को साफ–सुथरा रखने में लोगों की जागरूकता एवं उनकी सहभागिता सहित मिशन क्लीन सिटी के विभिन्न अवयवों पर किए जा रहे कार्य आदि के साथ ही नगर की साफ–सफाई आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा इनके संबंध में की जाने वाली तैयारियों पर व्यापक मार्गदर्शन दिया गया।

आमजन से पूछे जाएंगे 11 प्रश्न–कार्यशाला के दौरान सूडा के विषय विशेषज्ञों ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान शहर के नागरिकों से मोबाईल फोन के माध्यम से शहर की साफ–सफाई से संबंधित 11 प्रश्न पूछे जाएंगे तथा आमजन के द्वारा दिए गए उत्तरों के आधार पर शहर को अंक प्राप्त होंगे।

उन्होने बताया कि आमनागरिकों से पूछा जाएगा कि क्या आपके घर से प्रतिदिन डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण किया जा रहा है, क्या कचरा संग्रहण करने वाले सफाईमित्र पृथक–पृथक सूखे एवं गीले कचरे की मांग करते हैं, क्या आप अपने आसपास की सफाई से संतुष्ट है, क्या आप या आपके आसपास प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, क्या आपके शहर में 03 आर.आर.आर. अर्थात रिड्यूज, रियूज, रिसाईकल का पालन किया जा रहा है, क्या आपके या आपके आसपास के लोगों के द्वारा होम कम्पोस्टिंग का कार्य किया जाता है, क्या आपके शहर के शौचालय गूगल मैप में अंकित हैं, यदि हैं तो क्या आप उसका उपयोग करते हैं, क्या आप जानते हैं कि आपके शहर में होटल, हॉस्पिटल, वार्ड, मार्केट की स्वच्छता रैकिंग की जा रही है, क्या आपने स्वयं स्वच्छ भारत मिशन की गतिविधियों में मदद की है, क्या आप जानते हैं कि आपका शहर स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 लीग में भाग ले रहा है तथा क्या आप अपने शहर के सामुदायिक व सार्वजनिक शौचालयों को उपयोग की दृष्टि से साफ व स्वच्छ मानते हैं। उन्होने बताया कि इन सभी प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर प्राप्त होने की दशा में शहर को अच्छे अंक प्राप्त होंगे तथा शहर को बेहतर स्वच्छता रैंकिंग प्राप्त हो सकेगी।

कार्यशाला के दौरान अधीक्षण अभियंता ग्यास अहमद, कार्यपालन अभियंता एम.के. वर्मा, ए.के. शर्मा, आर.के. माहेश्वरी, एम.एन.सरकार, भूषण उरांव, आर.के. चौबे, स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.के. सारस्वत, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सहायक अभियंता डी.सी.सोनकर, विनोद शांडिल्य, एच.आर.बघेल, अखिलेश शुक्ला, तपन तिवारी, विपिन मिश्रा, संजीव बोपापुरकर, राजेश पाण्डेय, एन.के. नाथ, प्रकाश चन्द्रा, अनिरूद्ध शुक्ला, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक सुनील वर्मा, कमलेश रात्रे, प्रोग्रामर जमुना नायक, देवेन्द्र स्वर्णकार, अरूण बघेल, मोतीलाल बरेठ, डी.के. साहू, लीलाधर पटेल, आकाश अग्रवाल, रमेश सूर्यवंशी, गोयल सिंह विमल आदि के साथ निगम के अन्य उपअभियंतागण, स्वच्छता निरीक्षक एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित थे।